Rupali chaubey

— PAPE I — FLT

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वारा–

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

(A) फ्रांसिस बेकन

(B) सराजेवो
- प्रथम विश्व युद्ध के तात्कालिक कारण से संबंधित
- इसके अंतर्गत आस्ट्रिया के उत्तराधिकारी फर्डिनेंड की हत्या बोस्निया के सराजेवो में की गई
- हत्या का आरोप सर्बिया पर

(C) ट्राटस्की
- रूस की बोल्शेविक क्रांति से संबंधित व्यक्ति
- इसके द्वारा 55 लाख की लाल सेना का गठन
- इसी सेना ने बोल्शेविक क्रांति (1917) सफल

(D) नागार्जुन
- प्राचीन भारत के महान रसायन विज्ञानी थे, धातु विज्ञानी व चिकित्सक थे।
- इन्होंने कच्ची धातु निकालने व शुद्ध करने के तरीके सोना, चांदी (रस-रत्नाकर) में
- पारा, लोहे का निष्कर्षण

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

आरिवेला पा उहँ

(A) एलोरा का कैलाश मंदिर

- यह महाराष्ट्र में स्थित
- इसका निर्माण राष्ट्रकूट शासक कृष्ण प्रथम (7वीं सदी)
- द्रविड़ शैली में निर्मित है

1 (G) अबुल-फजल

- मुगलकाल से संबंधित था
- अकबर के नौरत्नों में शामिल
- रचनाएँ - आइने अकबरी, अकबरनामा (फारसी)

गंजे-ए-सिकन्दरी =)

Scanned with CamScanner

(H) गज़-ए-सिकन्दरी

- यह भूराजस्व व्यवस्था से संबंधित भूमि नापने का पैमाना होता है जो 30 इंच का होता।
- इसकी शुरुआत सिकंदर लोदी के काल में व बाद में शेरशाह द्वारा भी उपयोग किया

(I) देवेन्द्र नाथ टैगोर

→ आधुनिक भारतीय धार्मिक, प्रधान सुधारक

देवेन्द्रनाथ टैगोर → 'तत्वबोधिनी सभा' की स्थापना

→ 'ब्रह्म समाज' के संस्थापक में से एक तथा कालांतर में 'आदि समाज' नामक संस्था स्थापित

(J) गरुवायूर सत्याग्रह

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

(K) ईसुरी

- ईसुरी बुंदेली लोक साहित्यकार थे 'फाग' के अधिष्ठाता
- इनके द्वारा रचित रचनाएं - 'ईसुरी की फागें', 'ईसुरी प्रकाश', 'ईसुरी सतसई'

(L) चोड़ डोंगरी सत्याग्रह

कब हुआ - 1930 में
कहाँ वर्तमान - बैतूल में
यह एक जंगल सत्याग्रह था
नेतृत्व - आदिवासी नेता 'गंजन सिंह कोरकू'

(M) भारत भवन

- 1982, भोपाल में स्थित
- चार्ल्स कोरिया द्वारा निर्मित किया गया
- यह सांस्कृतिक गतिविधियों के संरक्षण व संवर्धन का अग्रणी केंद्र है
- इसके विभाग - रूपंकर, वागार्थ, अनहद, अंतरंग, [illegible], ललित व आकार

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार–

(7) (A) एडोल्फ हिटलर

- प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी का शासक रहा
- इसके द्वारा 'नाजी पार्टी' की स्थापना
- द्वितीय विश्व युद्ध के लिए उत्तरदायी
- आत्मकथा – 'मेरा संघर्ष'

(7) (B) म.प्र. के प्रमुख नौह स्थल

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

Q. वर्साय की संधि, संधि नहीं थी वर्साय युद्ध विराम की व्याख्या करे?

A. प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) की समाप्ति के लिए पेरिस शांति सम्मेलन का आयोजन जिसमें विभिन्न राष्ट्रों व छोटे राष्ट्रों के बीच वर्साय की संधि की गई।

वर्साय की संधि के प्रावधानों और दृष्टि डाले तो निम्न प्रकार आते हैं -

- पराजित देशों मुख्यतः जर्मनी को युद्ध का दोषी माना गया
- क्षतिपूर्ति में हर्जाने की एक बड़ी राशि जर्मनी पर थोप दी गई
- जर्मनी को कमजोर करने के लिए सेना का आकार सीमित व निःशस्त्रीकरण बोल दिया, व सेना के विस्तार पर प्रतिबंध
- अलसास-लॉरेन का क्षेत्र जर्मनी से छीनकर फ्रांस को दे दिया गया
- राष्ट्र संघ की स्थापना में पराजित देशों की भागीदारी नहीं

उपरोक्त प्रावधानों को देखते तो यह जर्मनी के लिए अपमान जनक संधि थी जिसने जर्मनी में हिटलर जैसे निरंकुशतावादी शासक को जन्म दिया व द्वितीय विश्व युद्ध का रास्ता खोला।

Scanned with CamScanner

(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

Q. बौद्ध धर्म की देन को समझाइये?

A. 6वीं ली शताब्दी में हिंदू धर्म के विरोध से उत्तर-भारत में बौद्ध धर्म का विकास हुआ जिसके संस्थापक भगवान बौद्ध थे।

गौतम बुद्ध तथा बौद्ध धर्म द्वारा इस संसार को दिये गये आदर्शों को देखें तो इस प्रकार है –

बौद्ध धर्म की देन →

1) अहिंसा – सर्वप्रथम प्रयोग बौद्ध – राष्ट्रीय आंदो. व वर्तमान में इसकी अहम उपयोगिता

2) करुणा → निःशक्त वर्गों के प्रति करुणा जिसका हमारे संविधान में उल्लेख – सभी वर्गों के प्रति मंगल-कामना।

3) अस्पृश्यता व जातिवाद विरोध → हमारे संविधान में सभी वर्गों को समानता व अनु. 17 में अस्पृश्यता का उन्मूलन

4) मध्यम मार्ग → शान्ति बताया जिसको सभी करते होंगे।

5) अन्य →

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

बौद्ध धर्म द्वारा उपरोक्त आदर्शों को प्रदान किया जो आज के आतंकवाद, भौतिकतावादी संस्कृति, [illegible] आदि को समाप्त करने के लिए प्रासंगिक प्रतीत होते हैं।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner

(Q) अरबों के आक्रमण के प्रभावों का उल्लेख

7वी सदी में भारत में अरबों के आक्रमण को देखा जाता है जिसमें सफल आक्रमण मुहम्मद बिन कासिम का था जिसकी जानकारी 'चचनामा' से प्राप्त हुई।

अरबों के आक्रमण से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों पर नजर डाले तो इस प्रकार है-

संस्कृति ← प्रभाव → राजनैतिक

व्यापार ← प्रभाव → शिक्षा

राजनैतिक प्रभाव => उत्तर-पश्चिम से विदेशी आक्रमण का रास्ता

- क्षेत्रीय राज्यों का उदय राष्ट्रकूट, चालुक्य, गुर्जर आदि

शिक्षा => भारत का प्रयोग शिक्षा स्रोत के रूप में किया

- नक्षत्र विज्ञान, गणित, चिकित्सा, प्रबंधन आदि की शिक्षा
- भारत में स्थानीय भाषा में साहित्य की नकल

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

व्यापार-वाणिज्य - पश्चिमी देशों, मध्य एशिया के साथ व्यापार को बल

- संस्कृति => हिंदू धर्म में रूढ़िवादिता - पर्दा प्रथा, बाल विवाह, जौहर प्रथा का प्रचलन बढ़ा।

कला - स्थापत्य कला में गुंबद एवं मेहराबों का प्रयोग

• इस तरह अरबों के आक्रमण ने सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक को प्रभावित किया साथ में भविष्य में भारत में विदेशी आक्रमणों के लिए रास्ता खोला।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

9 अकबर के राजपूत नीति की विशेषता बताइये?

16वी सदी में अकबर मुगल साम्राज्य का सबसे महान शासक था जिसने भारत के बड़े क्षेत्र पर लंबे समय तक शासन किया।

लंबे समय तक शासन करने के पीछे अकबर की इसकी नीति थी जिसमें राजपूत नीति भी एक थी। जो इस प्रकार है —

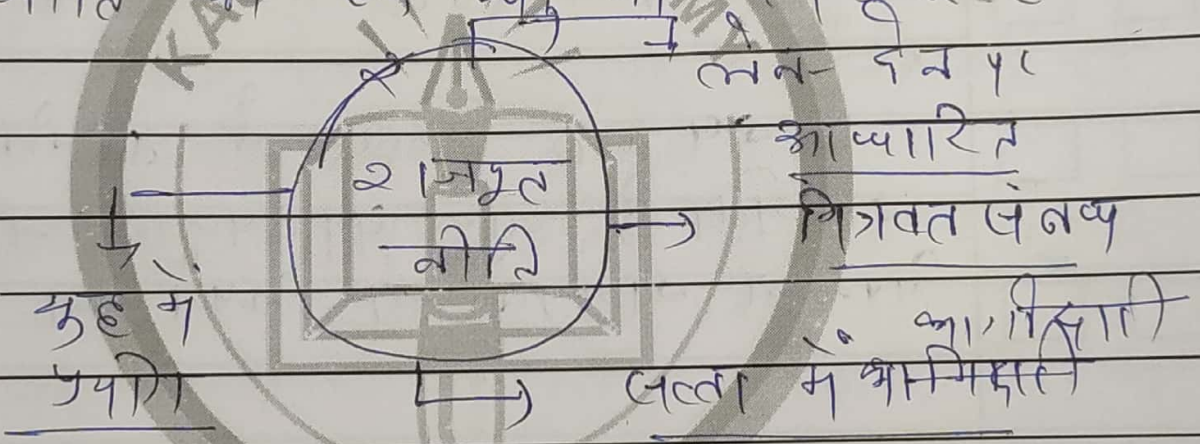

लेन-देन पर आधारित ⇒ राजपूत क्षेत्र की अधीनता

- राजपूत शासकों को स्वायत्तता, सामाजिक-धार्मिक स्वतंत्रता, सम्मान दिया।

मित्रवत संबंध ⇒ अकबर ने राजपूत शासकों से मित्रवत संबंध स्थापित, आमेर के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

सत्ता में भागीदारी → अकबर ने योग्यता के आधार पर राजपूतों को ऊँचे मनसब जैसे मानसिंह, मिर्जा अजीज कोका, 7000 तक मनसब दिया

युद्ध में प्रयोग → राजपूतों को राजपूतों के विरुद्ध खड़ा किया
राणा प्रताप के विरुद्ध, मानसिंह को भेजा युद्ध करने

इस तरह अकबर ने कूटनीति व उदारता के साथ धर्मनिरपेक्ष नीति को अपनाकर राजपूतों को अपने पक्ष में रखा।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

(9) धन का निष्कासन क्या है व इसके प्रभाव ?

ब्रिटिश काल में धन के निष्कासन का सिद्धांत दादाभाई नौरोजी द्वारा 'द पावर्टी ऑफ इंडिया' नामक पुस्तक में दिया गया है–

धन के निष्कासन का आशय भारत के धन का इंग्लैण्ड की ओर जाना वर्तमान में तथा बदले में भारत को कुछ भी प्राप्त न होना। इसमें

- होम चार्जेस – अधिकारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन
- इंग्लैण्ड में भारत सचिव पर खर्च
- रेलवे के निर्माण में कर्ज आदि

इसके प्रभावों पर नजर डालें तो निम्न प्रभाव

प्रभाव
- → कृषि ⇒ लगान में वृद्धि
  - ⇒ अकाल की बारंबारता
- → उद्योग ⇒ पूंजी के पलायन से उद्योगों को नुकसान
- → आर्थिक → राष्ट्रीय आय में कमी
  - → क्रय शक्ति में कमी
- → राष्ट्रीय आंदो. ⇒ प्रेरित किया
  - – शोषण के उदाहरण देकर देशभक्ति की भावना का विकास

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सफलता का प्रवेश द्वार..

उपरोक्त के अध्ययन पर ध्यान के निष्कर्ष से यहाँ ब्रिटिश साम्राज्यवाद का प्रसार तथी भारत का शोषण व राष्ट्रीय आंदो. के प्रति ~~प्र~~ मिली।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner

Q.2 (H)

आर्य समाज पर टिप्पणी

भारत में 19वीं सदी में भारत में सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलनों का दौर चल रहा था उनमें से आर्य समाज ने भी स्वयं योगदान दिया।

आर्य समाज की भूमिका की बात करें तो इनको निम्न प्रकार से समझ सकते हैं -

आर्य समाज

स्थापना | कार्य | वर्तमान में प्रासंगिकता

स्थापना ⇒ 1875 में दयानंद सरस्वती द्वारा बम्बई में स्थापना

कार्य ⇒ हिंदू धर्म में सुधार व वेदों की पुनर्स्थापना इसका मुख्य कार्य

- समाज में फैली बुराईयों छुआछूत, जाति प्रथा आदि का विरोध
- नारी उत्थान के लिए सती प्रथा का विरोध, बाल विवाह विरोध, विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहन व शिक्षा पर बल आदि
- धार्मिक कर्मकांड, अंधविश्वास व [illegible] मूर्तिपूजा का विरोध

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

हिंदुओं को धर्म वापिस लाने के लिए शुद्धि आंदो. चलाया

वर्तमान प्रासंगिता => साम्प्रदायिकता को कम
– नारी उत्थान जैसे अधिकारों, शिक्षा, मान-सम्मान आदि

इस तरह आर्य समाज ने जहाँ सामाजिक व धार्मिक कुरीतियों को किया किंतु वर्तमान में इस संस्था को पूर्ण रूप से काम करने की आवश्यकता ताकि वर्तमान समस्याओं जैसे साम्प्रदायवाद, नारी उत्थान, अलगाववाद आदि को कम किया जा सके।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

Q 2 (I)

1857 की क्रांति मे म.प्र. का योगदान

1857 की क्रांति जिसकी शुरुआत मेरठ से होती है तथा भारत के एक बड़े क्षेत्र में विस्तारित हो जाती है इसमें म.प्र. भी शामिल होता है।

1857 की क्रांति में म.प्र. का योगदान निम्न है

- 3 जून 1857 को इसकी शुरुआत नीमच से प्रारंभ होती है
- झांसी की रानी लक्ष्मीबाई व उनके सहयोगी तात्या टोपे ने अंग्रेजो से कड़ा संघर्ष किया
- आदिवासी क्षेत्रों मे भीमा नायक (मंडलेश्वर) टंट्या भील (राबिनहुड ऑफ इंडिया) ने इस विद्रोह अहम भूमिका अदा की
- शंकरशाह (गढ़मण्डला), सआदत खाँ (महू)
- ब्रिटिश सरकार ने दमन चक्र चलाया लक्ष्मी बाई को गोली मारी, तात्या टोपे, टंट्या भील को फांसी दी गयी

इस तरह 1857 के विद्रोह मे म.प्र. ने बढ़चढ़ कर भाग लिया तथा आगे की राष्ट्रीय आंदोलन में अहम भूमिका अदा की।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2(ग) (ii) भगतसिंह का राष्ट्रीय आंदो. में महत्व

भगतसिंह एक क्रांतिकारी नेता थे जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाते हुए 23 मार्च 1931 को फांसी दी गई।

भगत सिंह का राष्ट्रीय आंदो. में महत्व को देखें तो इस प्रकार है

राष्ट्रीय आंदो. में महत्व

- क्रांतिकारी थे अंग्रेजों के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह
- सांडर्स की हत्या, पब्लिक सेफ्टी बिल, असेम्बली में बम फेंका आदि
- युवाओं को राष्ट्रीय आंदो. के लिए प्रेरित
- अंग्रेजी सत्ता से लोगों के भय को दूर
- 1928 में भारत सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना अपने कार्यों के संपादन के लिए

इस तरह भगत सिंह द्वारा भारतीय राष्ट्रीय आंदो० में भारत माता के पुत्र के रूप सदा संघर्ष कर अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर किया।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

Q. 2(E)

कश्मीर का भारत में विलय पर संक्षिप्त टिप्पणी

: कश्मीर भारत का अभिन्न भाग था किंतु इसे आजादी के समय अन्य रियासत घोषित कर इसे गर्णतस्थ से भारत में विलय

भारत में इसके विलय को देखते तो इसप्रकार देख सकते

कश्मीर का विलय

स्वतंत्रता के पूर्व स्थिति | स्वतंत्रता के पश्चात स्थिति | वर्तमान में

स्वतंत्रता के पूर्व => ब्रिटिश काल में इसे एक रियासत का दर्जा

स्वतंत्रता के पश्चात => 1947 के पश्चात कश्मीर के राजा का निर्णय पाकिस्तान में शामिल होना व भारत में वालिके स्वायत्त रहने का निर्णय

- पाकिस्तान द्वारा आक्रमण होने पर राजा हरिश्चन्द्र द्वारा भारत के विलय पत्र पर हस्ताक्षर
- शर्तों के रूप में अलग संविधान, अलग झण्डा व विशेष राज्य
- अनु. 370 व अनु. 35(A) द्वारा कश्मीर को विशेष स्थिति

LEAVE BLANK

वर्तमान में => हाल ही में बढ़ते आतंकवाद, अलगाव की समस्या को लेकर सरकार ने 5 अगस्त 2019 को विधेयक पारित किया

- अनु. 370 व 35(A) को हटाया

अलग राज्य निर्मित कर संघ राज्य का दर्जा

इस तरह कश्मीर का भारत में विलय 70 साल बाद सम्पन्न हुआ। जिसने भारत को अधिक मजबूत किया।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

3(b)

अशोक महान सम्राटों में भी महान सम्राट क्या व्याख्या करें ?

मौर्य वंश का शासक अशोक 269 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा तथा एक बड़े साम्राज्य का विस्तार किया तथा प्रशासन को सुदृढ़ किया इसके साथ ही उसने धम्म की नीति का पालन व प्रचार-प्रसार किया एवं प्रजा के नैतिक उत्थान पर बल दिया अतः यह तत्कालीन समय में उसका बड़ी व धार्मिक सहिष्णुता का परिचय देता है

अशोक बारे में जानकारी के स्रोत के रूप में 'अर्थशास्त्र', 'इंडिका', शिलालेख स्तंभलेख आदि ले सकते हैं

उपरोक्त स्रोत इसकी महानता को विभिन्न प्रकार से प्रकट करते हैं

अशोक की उपलब्धियाँ

- साम्राज्यवादी
- प्रशासन का सुदृढ़ीकरण
- धम्म की नीति
- धर्म क्षेत्र
- अन्य

Scanned with CamScanner

सफलता का प्रवेश द्वार

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

KAUTILYA ACADEMY INDORE

साम्राज्यवादी ⇒ अशोक एक साम्राज्यवादी शासक था कलिंग युद्ध 261 ई.पू.

प्रशासनिक केन्द्रीकरण ⇒ केन्द्रीकरण प्रशासन, की दैवीय सिद्धांत पर आधारित
- राजा में सभी शक्तियाँ व्याप्त
- 'देवानांपियदस्सी' की उपाधि
- प्रान्त → चक्र(प्रांत) → विषय → ग्राम
- धर्ममहामात्र व अन्य अधिकारी न्यायालय
- गुप्तचर विभाग सुदृढ़

धम्म की नीति ⇒ प्रजा के नैतिक उत्थान के लिए आचार संहिता प्रस्तुत
- युद्ध की नीति का त्याग व धम्म की नीति अनुसरण
- माता-पिता बड़ों की आज्ञा मानना, गुरुजनों के प्रति आदर, ब्राह्मणों एवं श्रमणों के प्रति दानशीलता आदि
- इनके प्रचार-प्रसार के लिए धम्ममहामात्रों की नियुक्ति

धर्म के प्रति दृष्टिकोण ⇒ धार्मिक रूप से सहिष्णु शासक

Scanned with CamScanner

- सभी धर्मों के प्रति सहिष्णु किंतु बौद्ध धर्म को विशेष रूप से संरक्षण

अन्य कार्य => बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार अपने पुत्र-पुत्री संघमित्रा व महेन्द्र को श्रीलंका भेजा

- अपने कार्यों व घटनाओं को अभिलेखों के माध्यम (उत्कीर्णवाया)
- स्थापत्य कला के रूप में सांची-भरहुत स्तूप का निर्माण कार्य करवाया

इस तरह अशोक की उपलब्धियों को देखा जा सकता है जिससे यह कहना गलत नहीं होगा कि अशोक भारत शासकों में महान था कि क्योंकि तत्कालीन समय में जब सभी शासक साम्राज्य विस्तार में युद्ध को प्राथमिकता देते वहीं अशोक युद्ध की नीति को त्याग कर धम्म नीति को अपनाता व प्रजा में नैतिक उत्थान को प्राथमिकता देता तथा धार्मिक सहिष्णुता को प्राथमिकता जिसे आगे चलकर अकबर ने मिली जुली नीति का पालन कर एक महान शासक बना।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार–

3 (b) आजादी के बाद म.प्र. के पुनर्गठन पर जानकारी प्रस्तुत करें।

म.प्र. को भारत के हृदय प्रदेश के रूप में जाना जाता है, जो क्षेत्रफल में दूसरे स्थान व जनसंख्या में पांचवे स्थान पर है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात म.प्र. के स्वरूप व जिलों की संख्या में परिवर्तन होता रहा है। यहां 1947 में म.प्र. में जिलों की संख्या 43 थी। छत्तीसगढ़ विभाजन के समय यह संख्या 45 तथा वर्तमान में 52 जिले तथा भविष्य में भी नये जिलों के बनने की मांग की जा रही है।

आजादी के बाद म.प्र. के पुनर्गठन के बारे चर्चा करें तो हम निम्न बिंदु दिखाई देते

म.प्र. का पुनर्गठन

- 1947-1956 केन्द्रीय पुनर्गठन
- 1956-2000 में पुनर्गठन
- 2000 से अब तक पुनर्गठन

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1947 से 1956 तक पुनर्गठन → इस समय म.प्र. चार भागों में विभक्त था

राज्य/भाग	राजधानी
सी.पी. बरार (पार्ट A)	नागपुर
मध्य भारत (पार्ट B)	इन्दौर, ग्वालियर
विंध्य प्रदेश (पार्ट C)	रीवा
भोपाल (पार्ट C)	भोपाल

1956 से राज्य केन्द्रीय पुनर्गठन → 1953 में फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा पर

1 नवंबर 1956 – म.प्र. का गठन किया जिसमें 43 जिले

1972 – भोपाल व राजनांदगांव दो नये जिले

बी.पी. दुबे व सिंह देव की समिति, 1998 – 16 नये जिलों का गठन
बड़वानी, श्योपुर, डिण्डोरी, कटनी, हरदा, उमरिया, नीमच आदि जिलों का गठन किया

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार–

2000 से वर्तमान => 1 नव. 2000 को छत्तीसगढ़ का विभाजन

- म.प्र. में कुल जिलों की संख्या – 55
- 2003 में तीन जिलों का गठन
  बुरहानपुर (खण्डवा), अनूपपुर (शहडोल)
  अशोकनगर (गुना)
- 2008 में दो जिले अलीराजपुर व सिंगरौली का गठन
- 16 अगस्त 2013 में आगर (शाजापुर) से अलग हुआ
- 1 अक्टूबर 2018 - निवाड़ी (टीकमगढ़)

इस तरह म.प्र. को प्रशासन की दृष्टि सुविधायुक्त व सुचारु संचालन के लिए पुनर्गठित किया गया ताकि सभी सभी जिलों का विकास तत्परता पूर्वक किया जा सके तथा लाभ जनता को मिल सके किंतु यह पुनर्गठन राजनीति से प्रभावित नहीं होना चाहिए बल्कि माव–जनता विकास को लेकर ही पुनर्गठन किया जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

(Mains Answer Sheet)

भारत छोड़ो आंदो० का वर्णन करो। क्या वह स्वतः स्फूर्त आंदो था?

3(d)

गांधी जी द्वारा भारत छोड़ो आंदो० की शुरुआत की जिसमे पूरे भारत के लोगो ने भाग लिया कुछ दलो को छोड़कर यह अंग्रेजो के विरुद्ध अंतिम प्रयास था जिसने भारत को स्वाधीनता के द्वार पर ला दिया तथा इसके पाँच साल के पश्चात 1947 को अंग्रेजो ने भारत छोड़ दिया तथा देश स्वतंत्र हुआ।

भारत छोड़ो आंदो० की विस्तार से व्याख्या करे तो निम्न बिंदु पर नज़र डालते

भारत छोड़ो आंदो

- कब
- नेतृत्व वर्ग
- कारण
- नेतृत्व
- कार्य
- दमन
- अन्य वर्ग प्रणाली

कब - 8 अगस्त 1942 को बम्बई सम्मेलन प्रस्ताव पारित

कारण :) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बढ़ती कीमतें वस्तुओं के अभाव जन असंतोष

- जापानियों का भय
- क्रिप्स प्रस्ताव की असफलता

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

नेतृत्वकर्ता => गांधी जी तथा अन्य शीर्ष नेता जवाहरलाल नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद आदि

- जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया आदि भूमिगत होकर नेतृत्व प्रदान

कार्यप्रणाली => आंदोलनकारियों ने सरकारी कॉलेजों, स्कूलों, नौकरी का त्याग किया

- करो या मरो नारा
- कई जगह हिंसात्मक घटनाएं, मजदूरों की हड़ताल

संचार साधनों को बाधित, रेल की पटरियों को उखाड़ा, रेलवे, पुलिस स्टेशनों पर आग आदि

दमन => सरकार ने दमन चक्र चलाया, शीर्ष नेताओं को उसी दिन बंद

गांधी जी व सरोजनी नायडू को आगा खां पैलेस

- राजेंद्र प्रसाद को पटना के जेल में बंद
- जवाहरलाल नेहरू को, पट्टाभि सीतारमैया, कृपलानी अहमदनगर में बंद
- राममनोहर लोहिया, ऊषा मेहता व जयप्रकाश नारायण ने भूमिगत होकर आंदो. को नेतृत्व प्रदान
- कांग्रेस को गैरकानूनी घोषित किया

अन्य => नेताओं की प्रतिक्रिया के रूप में गांधीजी आमरण अनशन

- सतारा, बलिया आदि समांतर सरकार

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

भागीदारी — श्रमिकों, महिलाओं, किसानों, सरकारी अधिकारी, देशी रियासतों की भागीदारी

- विस्तार क्षेत्र व्यापक लगभग संपूर्ण भारत

उपरोक्त के आधार पर आंदोलन की व्यापकता को देखा जा सकता है और नेतृत्व के मूल में भी बिखराव होने से यह आंदोलन असहयोग, सविनय आदि आंदोलनों से अधिक स्वतःस्फूर्त दिखाई देता है जहाँ जनता ने अहिंसा के साथ हिंसात्मक गतिविधियों के साथ भारत को स्वतंत्रता के हक पर ला खड़ा कर दिया जिससे यह सिद्ध किया कि भारतीयों को अब थोड़े-बहुत से संतुष्ट होने वाले नहीं बल्कि उन्हें अब पूर्ण स्वायत्तता चाहिए।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

(a) **क्षारीय मृदा**

- मरुस्थलीय मृदा जो शुष्क व अर्द्धशुष्क प्रदेशों में पायी जाती, (Ph ≥ 7) ध
- इसमें पोटेशियम, कैल्सियम व सोडियम की मात्रा अधिक तथा अनउपजाऊ होती
- रेहुर मृदा भी कहा जाता
- जिप्सम मिलाकर इसकी क्षारीयता को कम किया जाता।

(b) शिलांग पठार

शिलांग का पठार

उत्तर पूर्व राज्य में मेघालय	प्रायद्वीपीय पठार का भाग राजमहल से अलग गैप द्वारा अलग	गारो, खासी, जयंतियों की पहाड़ी से निर्मित

(c) **भूकंप के कोई तीन लाभ**

लाभ
1. भूकंप से भूगर्भ में भूकंप के कारण दरारें पड़ जाती जिससे खनिज पदार्थों की प्राप्ति
2. भूभागों के धसने से नदी झीलें, लैगून झील
3. भूकंप से पर्वत, पठार, घाटियों का निर्माण

Scanned with CamScanner

(C) म.प्र. में 75 सेमी से कम वर्षा वाला क्षेत्र

उत्तर-

म.प्र. में उत्तरपश्चिमी क्षेत्र मालवा का क्षेत्र 75 सेमी. से कम वर्षा वाला

- भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर, मंदसौर, नीमच आदि
- भिण्ड में सबसे कम वर्षा

(D) भेल भोपाल

भेल

1) स्थापना 1960 में ब्रिटेन सहयोग से की गई
2) यह अभियांत्रिकी व विनिर्माण उद्योग
3) निर्माण => कैपेसिटर, ट्रांसफार्मर, जनरेटर, स्विचगियर आदि उपकरण बनाए जाते

(E) बावनथड़ी परियोजना

- सिंचाई परियोजना
- बालाघाट में बावनथड़ी नदी पर निर्मित
- म.प्र. व महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना
- छिंदवाड़ा सिवनी को सिंचाई

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

(A) अश्व अक्षांश

- यह दोनो गोलार्द्धों में 30-35° अक्षांशो के बीच स्थित
- यह उपोष्ण उच्चवायुदाब का केन्द्र होता
- यहां का वायुमंडल शांत व अनिश्चित पवन के कारण प्राचीनकाल में घोड़ो से लदे जहाजों में संचलन में रुकाई जिससे घोड़ो को समुद्र में फेंककर जलयानो को हल्का किया इसलिए इसे अश्व अक्षांश कहते

(H) नूनाटक

नूनाटक → हिमानी के अपघर्षण से निर्मित आकृति
→ पर्वतीय भाग में हिमाच्छादन के बावजूद चट्टानों के निकले हुए ऊंचे टीले नूनाटक कहलाते

(J) बंगाल का शोक

- नदी के संदर्भ में लिया गया
- दामोदर नदी को बंगाल का शोक कहा जाता
- कारण - बाढ़ आने पर जनजीवन अस्तव्यस्त

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

(j)

भारत में अत्यधिक सूखा प्रभावित क्षेत्र

भारत में सूखा प्रभावित क्षेत्रों में-
शुष्क - अर्द्धशुष्क क्षेत्र - राजस्थान, गुजरात का क्षेत्र, पश्चिमी पंजाब-हरियाणा का क्षेत्र
वृष्टि छाया क्षेत्र - तमिलनाडु का पूर्वी क्षेत्र, महाराष्ट्र और कर्नाटक का क्षेत्र

(k)

आपदा प्रबंधन अधिनियम
- भारत सरकार ने आपदाओं के न्यूनीकरण के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 लेकर आयी
- इसके अंतर्गत केन्द्र, राज्य, जिला स्तर पर संस्थागत, वित्तीय, विधिक समन्वय तंत्र स्थापित
-

(l)

पेयजल की गुणवत्ता के मापदण्ड
भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार कई मानक बताये गये -
- रंगहीन होना चाहिए
- गंधहीन
- स्वादरहित/स्वीकार्य होना
- संतुलित PH (6.5-8.5) होना

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार-

14 सोहागपुर कोयला क्षेत्र

- यह म.प्र. के शहडोल जिले में स्थित
- म.प्र. का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र जो मध्य भारत कोयला क्षेत्र के अंतर्गत आता।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा यहाँ कोलबेड मीथेन के भंडार खोजे

15 ऑपरेशन फ्लड

- इसे दुग्ध क्रांति/श्वेत क्रांति कहाँ जाता
- 1970 में इसकी शुरुआत
- वर्गीज कुरियन को इस क्रांति का जनक
- इसके अंतर्गत सहकारिता के माध्यम से दुग्ध के उत्पादन में वृद्धि किया गया।

16 भारत की प्रमुख रोपण फसलें

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत का वर्णन करें ?

1962 में हैरी हेस ने प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसके अंतर्गत पृथ्वी की भूपर्पटी बड़ी छोटी-बड़ी प्लेटो से निर्मित होती जो दुर्बल मण्डल में तैरती रहती पृथ्वी पर 6 बड़ी मुख्य प्लेटे है जो इस प्रकार है

1. अमेरिकन प्लेट
2. यूरेशियन प्लेट
3. अफ्रीकन प्लेट
4. इण्डो-आस्ट्रेलिया
5. प्रशांत प्लेट
6. अण्टार्कटिका प्लेट

इन प्लेटो के संचलन से इनके किनारो पर भूकंपीय, ज्वालामुखी व विवर्तनिकी घटनाये होगी। एवं इन प्लेटो के किनारे तीन प्रकार के होते है-

प्लेटो के किनारे

- रचनात्मक किनारे ⇒ दो प्लेटो के अपसारी संचलन महासागरीय कटक की उत्पत्ति
- विनाशात्मक किनारे ⇒ दो प्लेट अभिसारी
  - महाद्वीप-महासागरीय
  - दोनो महासागरीय प्लेट
  - दोनो महाद्वीपीय प्लेट
- संरक्षी प्लेट ⇒ दो प्लेटे एक दूसरे के समांतर संचलित

इस तरह प्लेटो के संचलन से वलित पर्वत, मोड़दार पर्वत व भूकंपीय घटनाओं की उत्पत्ति होगी

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सफलता का प्रवेश द्वार...

नदी द्वारा निर्मित स्थलाकृति का वर्णन?

नदी जब पर्वतीय क्षेत्रों से निकलकर मैदानों अर्थात समतल में प्रवेश करती है तो निम्न आकृतियों का निर्माण करती है

नदी अपने अपवाह क्षेत्र से बहते हुए निर्मित आकृतियाँ

नदी द्वारा निर्मित आकृतियाँ

जलप्रपात – नदी का जल सबसे अत्यधिक ऊँचे से नीचे गिरता

जलोढ़ शंकु – पर्वतीय भाग से निकलकर समतल में बड़े-2 चट्टानों के अवसाद को पीछे छोड़ते जाती

जलोढ़ पंख – लंबे क्षेत्र में अवसादों का जमाव

नदी विसर्प – नदी दाएं-बाएं बलखाकर चलती 'S' आकार की आकृति

गोखुर झील – विसर्प को त्याग सीधा चलती तो छूटे हुए भाग को गोखुर झील

V-आकृति – V-आकृति – डेल्टा, ज्वारनदमुख आदि आकृतियाँ

इस तरह नदी के उद्गम से लेकर समापन तक उपरोक्त आकृति का निर्माण करती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

Q.2(b)

भारत के उत्तर के विशाल मैदानो का महत्त्व का वर्णन करो ?

उ.

भारत के भौगोलिक क्षेत्र में पर्वत, पठार मैदान, द्वीप पाये जाते है।

भारत में उत्तर के विशाल मैदानो को देखें तो यह है

हिमालय पर्वत	उत्तर का विशाल मैदान

अब इन पर्वतों के महत्त्व पर प्रकाश डालें तो वह इस प्रकार

हिमालय पर्वत का महत्त्व
1) सामरिक महत्त्व
→ जलवायु निर्धारक का कार्य
→ खनिज संभावनाओ की उपलब्धता।
→ औषधी के रूप में वनस्पति
→ बारहमासी नदियो का उद्गम

उत्तर के विशाल मैदान महत्त्व
→ गंगा जैसी बड़ी नदियो का अपवाह
→ कृषि की उत्पादकता अधिक
→ बांधो के निर्माण सिंचाई, पेयजल व विद्युत की

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

इस तरह उत्तर के मैदानों की उपयोगिता को देखा जा सकता जो एक बड़ी जनसंख्या को जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner

2 (b)

जल संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रयुक्त तत्वों का उल्लेख कीजिये?

जल एक प्राकृतिक संसाधन है किंतु पीने योग्य जल केवल 2% ही पृथ्वी पर इसके अतिदोहन के वर्तमान में जल संकट की विकट समस्या पैदा हुई

जल संसाधनों के संरक्षण के लिए विभिन्न तत्वों को अपनाने की आवश्यकता

- घरेलू संरक्षण
- वर्षा के जल का संरक्षण
- कुशल सिंचाई विधियां
- अन्य उपाय

घरेलू संरक्षण - दैनिक क्रियाविधियों में सीमित जल का उपयोग
- उपयोग के दौरान अपशिष्ट जल का शोधन कर उपयोग आदि

वर्षा के जल का संरक्षण => वर्षा के जल को घर के छत पर व जमीन के अंदर संग्रहण करना

कुशल सिंचाई विधियां => पवन सिंचाई, स्प्रिंकलर, फुहार आदि सिंचाई की विधियां

अन्य उपाय => नदियों के जल को समुद्र में जाने से रोकना अर्थात नदियों को जोड़ना - वाटरशेड मैनेजमेंट आदि

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

इस तरह जल का संरक्षण कर वर्तमान पीढ़ी व भविष्य की पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

2(e) भू-स्खलन को कम करने के उपायों का वर्णन करे?

भूस्खलन एक आपदा है जो प्राकृतिक व मानवीय कारणों से व्याप्त होती जिससे अपार जन-धन की हानि होती है

भू स्खलन जैसी आपदा को कम करने के निम्न उपायों को अपनाना आवश्यक

- संबंधित स्थानों को चिन्हित कर वहां जनमानस को दूर करना
- वृक्षारोपण को बढ़ावा देना
- पर्वतों पर वर्षा के जल के निकासी का मार्ग निर्मित करना
- पर्वतीय क्षेत्रों में विकासात्मक गतिविधियों जैसे शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, बांधों आदि के निर्माण पर रोक लगाना
- कठोर कानून का निर्माण करना
- हरित न्यायाधिकरण को अधिक शक्तिशाली व इसके आदेश का अनिवार्य पालन

उपर्युक्त उपायों को अपनाकर हम भूस्खलन को कम किया जा सकता तथा इसके प्रभावों को भी रोका जा सकता है।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2(5) हरित क्रांति से उत्पन्न समस्याओं का उल्लेख करो ?

1967-68 में भारत में हरित क्रांति की क्रांति शुरुआत जिसका श्रेय एम.एस. स्वामीनाथन को जाता है

जहाँ हरित क्रांति ने खाद्यान्न के उत्पादन में अधिक वृद्धि तथा देश को आत्मनिर्भर बनाया वहीं इसने कुछ समस्याऐं भी पैदा की

- कुछ फसलों के उत्पादन में वृद्धि वहीं मोटे अनाज, दालों के उत्पादन में कमी
- अधिक मात्रा में उर्वरकों व कीटनाशकों के प्रयोग से मृदा उर्वरता घटी
- अधिक सिंचाई से जलाक्रांति की समस्या
- बड़े व छोटे किसानों की आय असमानता में वृद्धि
- क्षेत्रीय असंतुलन पंजाब, हरियाणा में अधिक उत्पादन अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा
- कृषि यन्त्रीकरण से श्रम विस्थापन बढ़ा
- संस्थागत प्रभाव की अवहेलना

इस तरह हरित क्रांति से उत्पन्न समस्या निकलकर सामने आई जिसे हम द्वितीय हरित क्रांति के माध्यम से या कृषि गत प्रभाव को अपनाकर कम किया जा रहा है।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Q 2(क) म.प्र. में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की जानकारी प्रदान करें?

म.प्र. में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसमें खाद्य प्रसंस्करण के उद्योगों को अधिक महत्व दिया जा रहा है

म.प्र. में 6 फूड पार्क निर्मित किये जा रहे जहाँ खाद्य प्रसंस्करण की निम्न इकाईयाँ स्थापित की गई।

① निमाड़ी फूड पार्क (खरगोन) ⇒ प्याज व अनाज की मिल व बेकरी उद्योग का विकास हुआ जैसे आटा बनाना

② बोरगांव फूड पार्क (छिंदवाड़ा) ⇒ बेबी फूड, पापड़, अचार, केचप आदि को बनाया जा रहा

③ मनेरी (मण्डला) ⇒ पापड़, बड़ी, टमाटो केचप से संबंधित उद्योग

④ मालनपुर (भिण्ड) ⇒ डेयरी के उत्पाद, आटा की मिल

⑤ जग्गाखेड़ी (मंदसौर) - मसालों की मिल

⑥ बाबई (होशंगाबाद)

इसके साथ ही सांची डेयरी प्रोडक्ट, रतलामी सेव

इस तरह खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित लघु व सूक्ष्म उद्योगों का विकास व प्रोत्साहन कर प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

Q 2 (1)

म.प्र. के प्रमुख कृषि क्षेत्रों का उल्लेख करें?

म.प्र. एक कृषि प्रधान प्रदेश है जहाँ आधे से अधिक जनसंख्या भी इस पर निर्भरता है

कृषि विभाग द्वारा प्रदेश को 5 कृषि क्षेत्रों में विभाजित किया है -

कृषि क्षेत्र

- पश्चिम में काली मिट्टी का क्षेत्र
- उत्तर में ज्वार गेहूँ का क्षेत्र
- मध्य में गेहूँ का क्षेत्र
- चावल-गेहूँ का क्षेत्र
- पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम में काली मिट्टी => रतलाम, नीमच, मंदसौर, देवास आदि
सोयाबीन, कपास, ज्वार आदि

उत्तर में ज्वार-गेहूँ का क्षेत्र => मुरैना, श्योपुर, भिण्ड, ग्वालियर, दतिया आदि

मध्य में गेहूँ का क्षेत्र => भोपाल, सीहोर, होशंगाबाद आदि

चावल-गेहूँ का प्रदेश => पन्ना, सतना, रीवा तथा दक्षिण का क्षेत्र

पूर्वी क्षेत्र - सीधी, शहडोल, बालाघाट
चावल का क्षेत्र

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार-

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

इस म.प्र. को उनकी फसलों के आधार पर विभाजित किया जाता गया है जहां फसलों मे विविधता देखने को मिलती है।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner

2 (5)

बुंदेल खंड के पठार का आर्थिक महत्व को बताइये?

बुंदेल खंड का पठार म.प्र. के उत्तर-पूर्व में पाया जाता है जिसके अंतर्गत दमोह, पन्ना, सागर, छतरपुर आदि जिले आते है

बुंदेलखंड के आर्थिक महत्व पर नजर डाले तो इस प्रकार है

बुंदेलखंड पठार का आर्थिक महत्व →
- कृषि – लाल-पीली मिट्टी – सोयाबीन, गेहूँ की पैदावार
- खनिज – पन्ना में हीरे की उपलब्धता
- वनों – साल, सागौन, बांस, तेंदूपत्तों के वृक्ष
- उद्योगों – हीरे व महुआ उद्योगों का विकास तेंदूपत्ता से बीड़ी उद्योग, आदि

इस तरह बुंदेलखंड के पठार पर सूखे की स्थिति, खनिज की अनुपलब्धता आदि के होने से यह पठार आर्थिक रूप अधिक महत्वपूर्ण नहीं है

KAUTILYA ACADEMY INDORE
Scanned with CamScanner

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार–

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2(K) मृदा अपरदन मानव जनित है समझाइये?

प्राकृतिक व मानव जनित कारणों से मृदा की ऊपरी परत का हटना मृदा अपरदन कहलाता है।

मानवजनित कारणों पर प्रकाश डाले तो इस प्रकार

- वनोन्मूलन जिससे मृदा ढीली हो जाती
- झूम कृषि अपनाने पर
- कृषिगत भूमि पर अत्यधिक पशुचारण
- सिंचाई की त्रुटिपूर्ण विधियाँ
- वनों में आग लगाना (आस्ट्रेलिया मे आग)
- त्रुटिपूर्ण फसलचक्र अपनाना
- भूमि पर अत्यधिक उर्वरकों का प्रयोग
- भूमि का बंजर

और कारण मृदा अपरदन के लिए उत्तरदायी जो मानव जनित है मृदा अपरदन रोकने के लिए वृक्षारोपण, सिंचाई की कुशल विधियाँ, फसल चक्र जैसी विधियों को अपनाकर इसको कम किया जा सकता है।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

Q. 3(a) महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति से संबंधित कारकों के साथ-साथ उनके प्रभावों का उल्लेख कीजिये?

महासागर का जल जब एक निश्चित दिशा में एक निश्चित सीमा में प्रवाहित होता है तो उसे महासागरीय धाराएँ कहते हैं। महासागरों में दो प्रकार की धारा प्रवाहित होती है गर्म जल धारा व ठंडी जल धारा जिसका संचलन ऊर्ध्वाधर व क्षैतिज दिशा में होता है जो आस-पास के वातावरण को प्रभावित करती है।

महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति निम्न कारक प्रभावित करते हैं-

उत्पत्ति से संबंधित कारक

- पृथ्वी का घूर्णन
- महासागरीय कारक
  - तापमान
  - हिमगलन
  - जल की लवणता
  - अपवर्तन
- बाह्य कारक
  - (तट का स्वरूप)

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

पृथ्वी के घूर्णन से => घूर्णन से उत्पन्न कोरियोलिस बल से उत्तरी गोलार्द्ध की दिशा क्लाकवाइज व दक्षिणी गोलार्द्ध में एन्टी क्लाकवाइज

सागरीय कारक =>

तापमान => तापमान के अंतर जलधाराओं की उत्पत्ति का मुख्य कारण निम्न अक्षांशों में तापमान अधिक से जल घनत्व कम तथा जल में वृद्धि होने गर्म जल धारा की उत्पत्ति निम्न अक्षांशों में होती

लवणता => समान अक्षांशीय प्रदेशों में लवणता में अंतर से जल धारा की उत्पत्ति कम लवणता में घनत्व में कमी तथा जल स्तर में वृद्धि होती तथा जल धारा की उत्पत्ति

घनत्व => घनत्व में कमी के कारण जल स्तर में वृद्धि से धारा की उत्पत्ति

पवन => व्यापारिक पवन के प्रभाव से समुद्र के पूर्वी भाग में ठंडे जल धारा की उत्पत्ति व पश्चिमी भाग में गर्म जल धारा की उत्पत्ति होती।

बाह्य कारक => क

तट के स्वरूप => जलधाराओं की उत्पत्ति छिछले तटीय भाग में

Scanned with CamScanner

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

होती, ग्रासीलेपन धारा की उत्पत्ति

धाराओं की के प्रभावों को निम्न प्रकार से देख सकते

प्रभाव
- तटों के तापमान में परिवर्तन
- गर्म जलधारा तटों को गर्म
- तटों पर वर्षा लाने में सहायक गर्म धारा आर्द्र पवन के संपर्क आने पर वर्षा
- गर्म व ठंडी जल धाराओं के मिलने से मत्स्य के लिए अनुकूल
- गर्म जल धारा कहीं बन्दरगाहों हिम नहीं जमने देती तथा वह साल भर खुले रहते
- ऊर्जा की अपार संभावना

इस तरह गर्म व ठंडी धाराओं की उत्पत्ति व प्रभावों को देखते हैं जो तट की जलवायु को प्रभावित करने में अहम भूमिका निभाती है वहीं धाराओं के मिलन से मत्स्य की अनुकूल एवं कुहासा के कारण जलयानों को बाधा पहुंचाती है अतः धाराओं का अपना महत्व है

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

प्र. म.प्र. मे औद्योगिक विकास की संभावनाओं का वर्णन करो?

किसी भी प्रदेश का विकास उसके औद्योगिकीकरण पर निर्भर करता किसी प्रदेश का जितना औद्योगिकीकरण होगा, उतना ही प्रदेश विकसित व लोगों का जीवन स्तर ऊचा होगा इसी को देखते हुए म.प्र. में औद्योगिकीकरण को अधिक महत्व दिया जा रहा जिससे म.प्र. उच्च शीर्ष राज्यों में स्थान बना सके व प्रदेश की जनता का विकास कर सके

म.प्र. मे औद्योगिक विकास की संभावना को तलाश किया जाये तो निम्न क्षेत्रों मे दिखाई देती

संभावना
- कृषि के क्षेत्र
- वनों के क्षेत्र
- खनिज के क्षेत्र
- अन्य क्षेत्रो

कृषि के क्षेत्र ⇒ उत्कृष्ट कृषि कर्मण अवार्ड
- सोयाबीन के उत्पादन में प्रथम
- दलहन उत्पादन में प्रथम
- मालवा के क्षेत्र में कपास
- गन्ने का उत्पादन

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

- अतः यहाँ कपड़ा उद्योग, चीनी उद्योग आदि की अपार संभावना है

वनों के क्षेत्र :- उष्णकटिबंधीय आद्र पर्णपाती, शुष्क पर्णपाती व पर्णपाती वन पाये जाते
- साल वृक्षों की अधिकता तथा सागौन व
- सागौन वन क्षेत्र
- तेंदूपत्ता, खैरवृक्ष आदि
अतः यहाँ कागज उद्योग, रेलवे स्लीपर, बीड़ी उद्योग की संभावना

खनिज क्षेत्र :- हीरे के उत्पादन प्रथम
गेकाइट, ताम्बा, चूना पत्थर, मैंगनीज आदि खनिजों की
- अतः यहाँ चूने, हीरा रे परिस्करण आदि की संभावना

अन्य :- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
- खजुराहो, सांची, महाकाल आदि स्थलों को देखते हुए पर्यटन उद्योग
- SEZ (विशेष आर्थिक क्षेत्र)
- सरकार द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
- उद्योग संवर्द्धन नीति से प्रोत्साहन

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

उपरोक्त को देखते हुए यहाँ उद्योग के विकास के लिए अपार संभावना है आवश्यकता है तो सरकार के द्वारा इच्छाशक्ति यदि सरकार अवसंरचनात्मक विकास, सस्ता ऋण, लोगों की सुरक्षा, भूमिअधिग्रहण आदि में तत्परता पूर्वक काम करें तो प्रदेश को देश के अन्य राज्यों के सापेक्ष बाजार की सुविधा प्राप्त कर प्रदेश को विकसित किया जा सकता है तथा सबका साथ सबका विकास व सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner